विषय - सूची

क्रम		विषय	पृष्ठ-संख्या
		भूमिका	२ से ४
		कृतज्ञता ज्ञापन	५
१	अध्याय-१	: कवि शिवमंगल सिंह "सुमन" - एक परिचय जन्म, माता-पिता, शिक्षा, विकास, कृतियाँ व्यक्तित्व, वक्ता, ।	१ से १२
२	अध्याय-२	:कवि शिवमंगल सिंह "सुमन" - काव्य की युगीन परिस्थितियाँ राजनीतिक परिस्थिति, सामाजिक परिस्थिती, आर्थिक परिस्थिती ।	१३ से २२
३	अध्याय-३	प्रगतिशील चेतना का सैद्धांतिक विवेचन सैद्धांतिक स्वरूप, प्रगतिशील काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, सामाजिक यथार्थ एवं समस्याओं का चित्रण, धर्म ईश्वरवाद, अध्यात्म और रूढ़ियोंका खंडन, नारी विषयक प्रगतिशील दृष्टिकोण, प्रेम का सामाजिक रूप, श्रमिक और पददलितोंके प्रति सहानुभूति, पूँजीवाद एवं साम्राज्यवाद का विरोध आशावाद एवं पौरुषशील दृष्टि, संघर्ष का तीव्र स्वर एवं सामाजिक क्रांति के द्वारा परीवर्तन की पुकार, लाल क्रांति का जयगान, राष्ट्रवाद, मानवतावाद ।	२३ से ३६

क्रम		विषय	पृष्ठ-संख्या
४	अध्याय-४	कवि "सुमन" जी की काव्य-यात्रा में प्रगतिशील कविताएँ हिल्लोल, जीवन के गान, प्रलय-सृजन, विश्वास बढ़ता ही गया , पर आँखें नहीं भरीं, विंध्य हिमालय, मिट्टी की बारात,	२७ से ४६
५	अध्याय-५	कवि "सुमन" जी की कविताओं मे अभिव्यक्त प्रगतिशील विचार प्रस्तावना, समाज का वास्तव चित्रण, सामाजिक समस्याओंका चित्रण, धर्म, ईश्वरवाद और रूढ़ियों का विरोध, नारी के प्रति प्रगतिशील दृष्टिकोण, प्रेम का सामाजिक रूप, श्रमिक और पददलितों के प्रति सहानुभूति, पूँजीवाद तथा साम्राज्यवाद का विरोध, पौरुषशील दृष्टि - आशावादी दृष्टिकोण, सामाजिक क्रांति एवं संघर्ष का तीव्र स्वर, लाल क्रांति का जयगान, साम्यवादी समाज की स्थापना एवं परिवर्तन की पुकार, राष्ट्रवाद, मानवतावाद की महत्ता,	४७ से १२८
६	अध्याय-६	कवि शिवमंगल सिंह "सुमन" की कविता का शिल्प शैली, छन्द योजना, व्यंग्य, प्रतीक, भाषा,	१२९ से १३४
७	अध्याय-७	समापन	१३५ से १४०
८		परिशिष्ट - परिशिष्ट १ से ३	१४१ से १४८